बाल विवाह गुलामी है

कविता

छोटी सी उमर के भोले भाले
माँ आँगन में खेलने वाले
शादी कर दी डाल

पति पत्नी क्या है
कोई इनसे रिश्ते निभाना
क्या है कोई पूछ इनसे

एक जनम की तरह जो
पी मना रहे जीवन बन्धन
खेल - खेल में बना जाते

बाल विवाह के जाल से
होकर उम्र के मुक्ति लड़ाई
लड़े यो हमारा कर्तव्य है

नाम → सुहानी
कक्षा → 8 अ
विद्यालय → के.जी.
बी.वी. केरडनाड़ा